भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति
तारीखः 01 जनवरी, 2026
जारी करने का समय: 1400 घंटे

विषय: (i) पश्चिमी विक्षोभ के असर से, अगले 2 दिनों के दौरान पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में हल्की से मध्यम बारिश/बर्फबारी होने की बहुत संभावना है।

(ii) अगले 5-7 दिनों के दौरान पंजाब, हरियाणा चंडीगढ़ और दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार और ओडिशा में कई/कुछ जगहों पर और अगले 3-4 दिनों के दौरान जम्मू, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और राजस्थान में अलग-अलग जगहों पर रात/सुबह के घंटों में घना से बहुत घना कोहरा छाए रहने की बहुत संभावना है।

(iii) 1 तारीख को हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में अलग-अलग जगहों पर; 1 और 2 तारीख को पंजाब और हरियाणा चंडीगढ़ और दिल्ली में; 1 से 3 जनवरी 2026 के दौरान बिहार में शीत दिवस की स्थिति रहने की बहुत संभावना है।

(iv) 1 से 4 तारीख के दौरान हिमाचल प्रदेश में; 2 से 5 तारीख के दौरान पंजाब और हरियाणा चंडीगढ़ और दिल्ली में; 4 से 7 जनवरी 2026 के दौरान राजस्थान में अलग-अलग जगहों पर शीत लहर की स्थिति रहने की बहुत संभावना है।

पिछले 24 घंटों में हुई मौसम गतिविधि (आज 01 जनवरी, 2026 को सुबह 0830 बजे IST तक):

- ओडिशा, बिहार, उत्तर प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में घना से बहुत घना कोहरा (दृश्यता <50 मीटर) छाया रहा। असम, त्रिपुरा, मणिपुर, गंगीय पश्चिम बंगाल, उत्तराखंड, पश्चिम राजस्थान, मध्य प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में घना कोहरा (दृश्यता 50-199 मीटर) छाया रहा।
- मीटर में दृश्यता दर्ज की गई (≤200 मीटर): असम और मेघालय: डिब्रूगढ़ (50), तेजपुर (100), जोरहाट (200), उत्तरी लखीमपुर (100); नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा: अगरतला (50), लेंगपुई (100); गांगेय पश्चिम बंगाल: दुर्गापुर (100); दम दम (150); ओडिशा: ढेंकनाल, संबलपुर (49); हीराकुंड, भुवनेश्वर, केओझारगढ़ (50-199 मी); बिहार: भागलपुर (49); पूर्णिया, गया (50-199 मी); उत्तराखंड: खटीमा(150); पश्चिमी उत्तर प्रदेश: बरेली (आईएएफ) और आगरा (आईएएफ)-00 प्रत्येक, शाहजहाँपुर (25), एएमएस अलीगढ, एम्स मोरादाबाद, हमीरपुर, झाँसी और उरई-50 प्रत्येक, इटावा-100; पूर्वी उत्तर प्रदेश: प्रयागराज (आईएएफ), गोरखपुर (आईएएफ), आज़मगढ़, फुरसतगंज और कानपुर (आईएएफ) -00 प्रत्येक, प्रयागराज और फतेहपुर -10 प्रत्येक, बस्ती, गोरखपुर - और बलिया -20 प्रत्येक, हरदोई -60, फतेहगढ़ -80, बांदा, एम्स कुशीनगर, कानपुर (शहर) और वाराणसी (एपी) - (100), वाराणसी (बीएचयू) - (150); पश्चिमी राजस्थान: चूरू(50)/जैसलमेर (100); पश्चिमी मध्य प्रदेश: दतिया 50; पूर्वी मध्य प्रदेश: खजुराहो 50.
- पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार के अलग-अलग हिस्सों में ठंडे दिन से लेकर गंभीर ठंडे दिन की स्थिति बनी रही; पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में ठंडे दिन की स्थिति बनी रही।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान एवं चेतावनी (अनुलग्नक I एवं II देखें):

- ऊपरी हवा में चक्रवाती सर्कुलेशन के रूप में पश्चिमी विक्षोभ उत्तरी पाकिस्तान और उससे सटे पंजाब के निचले ट्रोपोस्फेरिक स्तर पर बना हुआ है, जिसके ऊपर मध्य में लगभग देशांतर 71°E और अक्षांश 27°N के उत्तर में एक ट्रफ बना हुआ है।
- एक प्रेरित ऊपरी हवा का चक्रवाती सर्कुलेशन पंजाब और आसपास के इलाकों में निचले ट्रोपोस्फेरिक स्तरों पर बना हुआ है।

- औसत समुद्र तल से 12.6 किमी ऊपर 120 समुद्री मील की मुख्य हवाओं वाली उपोष्णकटिबंधीय पछुआ जेट स्ट्रीम उत्तरी भारत पर बनी हुई है।
- एक ऊपरी हवा का चक्रवाती सर्कुलेशन निचले ट्रोपोस्फेरिक स्तरों में श्रीलंका के तटों से दूर दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी पर बना हुआ है।
- लक्षद्वीप से कोमोरिन क्षेत्र तक निचले ट्रोपोस्फेरिक स्तरों में एक ट्रफ बना हुआ है।

इन प्रणालियों के प्रभाव में, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

- 1 जनवरी 2026 को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में हल्की/मध्यम बारिश/बर्फबारी होने की बहुत ज़्यादा संभावना है और 2 जनवरी 2026 को हल्की छिटपुट बारिश/बर्फबारी हो सकती है।
- 1 जनवरी 2026 को पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़, उत्तरी राजस्थान और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हल्की छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- 1 जनवरी 2026 को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और 1 और 2 जनवरी 2026 को तमिलनाडु में तेज़ हवाओं (30-40 किमी प्रति घंटा) के साथ गरज-चमक और बिजली गिरने की संभावना है और 1 जनवरी 2026 को तमिलनाडु में भारी बारिश होने की संभावना है।

पिछले 24 घंटों में तापमान की स्थिति (आज सुबह 0830 बजे IST तक):

- जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में कई जगहों पर न्यूनतम तापमान 4°C से नीचे था; हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश में कई जगहों पर और राजस्थान, ओडिशा, बिहार, झारखंड में कुछ जगहों पर, मध्य महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा, मेघालय, पश्चिम बंगाल और सिक्किम में अलग-अलग जगहों पर तापमान 4°-10°C के बीच रहा।
- गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल और ओडिशा में अलग-अलग जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी कम (-5.0°C से -3.1°C) था और उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य महाराष्ट्र, विदर्भ, तेलंगाना और कोंकण और गोवा में अलग-अलग जगहों पर सामान्य से कम (-3.0°C से -1.6°C) था। (अनुलग्नक IV देखें)
- भारत के मैदानी इलाकों में सबसे कम न्यूनतम तापमान 3.0°C बाराबंकी (पूर्वी उत्तर प्रदेश) में दर्ज किया गया।

न्यूनतम तापमान का पूर्वानुमान:

- उत्तर-पश्चिम भारत में अगले 24 घंटों में न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है, अगले 3 दिनों में 2-3°C की गिरावट आएगी और उसके बाद कोई खास बदलाव नहीं होगा।
- पूर्वी भारत में अगले 2 दिनों में न्यूनतम तापमान में धीरे-धीरे 2-4°C की बढ़ोतरी होने की बहुत संभावना है, अगले 3 दिनों तक कोई खास बदलाव नहीं होगा और उसके बाद के 2 दिनों में 2-3°C की गिरावट आएगी।
- महाराष्ट्र में अगले 24 घंटों के दौरान न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है, अगले 4 दिनों में 2-3°C की बढ़ोतरी होगी और उसके बाद कोई खास बदलाव नहीं होगा।
- गुजरात में अगले 4 दिनों में न्यूनतम तापमान में धीरे-धीरे 2-4°C की गिरावट आने की संभावना है और उसके बाद के 3 दिनों में 2-3°C की बढ़ोतरी होगी।
- पूर्वोत्तर भारत में अगले 7 दिनों के दौरान न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है।

घने कोहरे, शीतलहर और शीत दिवस की चेतावनी:

- पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में 6 तारीख तक, ओडिशा में 5 तारीख तक, बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश में 2 जनवरी तक और राजस्थान के कुछ इलाकों में 3 जनवरी 2026 तक रात/सुबह के घंटों में कई/कुछ जगहों पर घना से बहुत घना कोहरा छाए रहने की बहुत संभावना है।
- जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद में 4 तारीख तक, हिमाचल प्रदेश में 2-5 तारीख के दौरान, उत्तराखंड में 5 तारीख तक, पंजाब और हरियाणा चंडीगढ़ और दिल्ली में 7-8 तारीख के दौरान, बिहार और उत्तर प्रदेश में 8 तारीख तक, राजस्थान में 4 तारीख को, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में 3 तारीख के दौरान, उप-हिमालयी

पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 2-5 तारीख के दौरान, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में 4 तारीख तक, झारखंड में 1 और 2 तारीख को, ओडिशा में 6 तारीख को, अरुणाचल प्रदेश में 3 तारीख तक और असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 6 जनवरी 2026 तक रात/सुबह के घंटों में कुछ इलाकों में घना कोहरा छाए रहने की भी संभावना है।

- ❖ हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में 1 तारीख को, पंजाब और हरियाणा चंडीगढ़ और दिल्ली में 1 और 2 तारीख को, बिहार में 1-3 जनवरी 2026 के दौरान कुछ इलाकों में शीत दिवस की स्थिति रहने की बहुत संभावना है।
- ❖ हिमाचल प्रदेश में 1-4 तारीख के दौरान, पंजाब और हरियाणा चंडीगढ़ और दिल्ली में 2-5 तारीख के दौरान, राजस्थान में 4-7 जनवरी 2026 के दौरान कुछ इलाकों में शीत लहर की स्थिति रहने की बहुत संभावना है।

मछुआरों की चेतावनी:

मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 01 जनवरी से 06 जनवरी, 2026 के दौरान इन इलाकों में न जाएं:

बंगाल की खाड़ी:

मन्नार की खाड़ी और उससे सटे, कोमोरिन इलाके के कुछ हिस्सों में 02 से 6 जनवरी 2026 के दौरान; उत्तरी ओमान तट और उससे सटे समुद्री इलाकों में 01 जनवरी को; और सोमालिया तट और उससे सटे समुद्री इलाकों में 01 से 06 जनवरी 2026 के दौरान न जाएं।

दिल्ली/एनसीआर में 01-04 जनवरी 2025 तक मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक III)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php

जिला-वार चेतावनियों के लिए: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

मछुआरों की चेतावनी के लिए: https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php

अनुलग्नक I

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	1- Jan	2- Jan	3- Jan	4- Jan	5- Jan	6- Jan	7- Jan
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
2	ARUNACHAL PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
3	ASSAM & MEHGHALAYA	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	DRY	DRY	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	ISOL	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
6	GANGETIC WEST BENGAL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
7	ODISHA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
8	JHARKHAND	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
9	BIHAR	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
10	EAST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
11	WEST UTTAR PRADESH	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
12	UTTARAKHAND	SCT	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	SCT	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
14	PUNJAB	SCT	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
15	HIMACHAL PRADESH	FWS	ISOL	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	FWS	ISOL	DRY	DRY	ISOL	SCT	SCT
17	WEST RAJASTHAN	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
18	EAST RAJASTHAN	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
19	WEST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
20	EAST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
21	GUJRAT REGION	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
22	SAURASHTRA & KUTCH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
23	KONKAN & GOA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
24	MADHYA MAHARASHTRA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
25	MARATHWADA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
26	VIDARBHA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
27	CHHATTISGARH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
29	TELANGANA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
30	RAYALASEEMA	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	SCT	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
35	KERALA AND MAHE	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
36	LAKSHADWEEP	SCT	SCT	SCT	DRY	DRY	DRY	DRY

- **जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।**

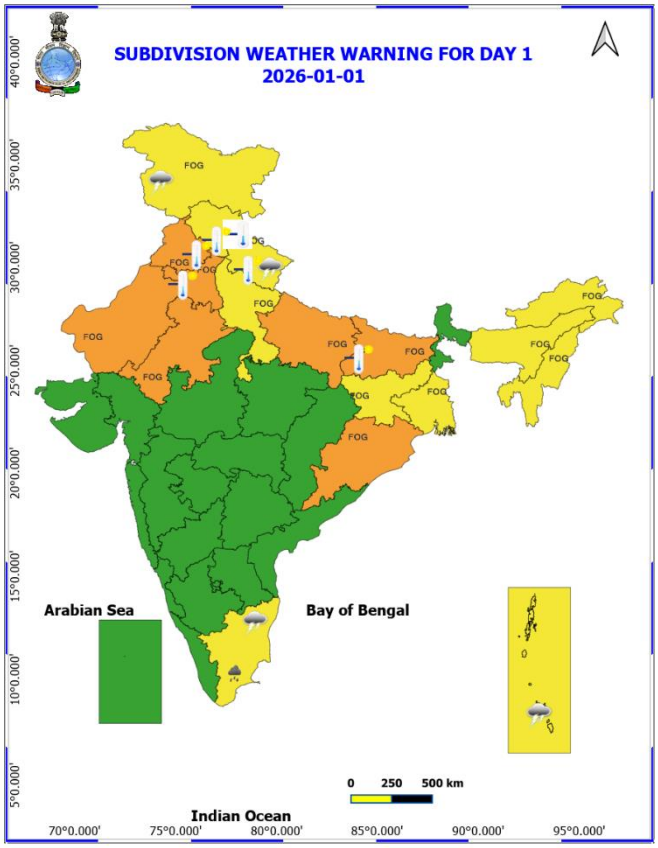
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2026-01-01
FOG
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km
40°0.000'
35°0.000'
30°0.000'
25°0.000'
20°0.000'
15°0.000'
10°0.000'
5°0.000'
70°0.000'
75°0.000'
80°0.000'
85°0.000'
90°0.000'
95°0.000'

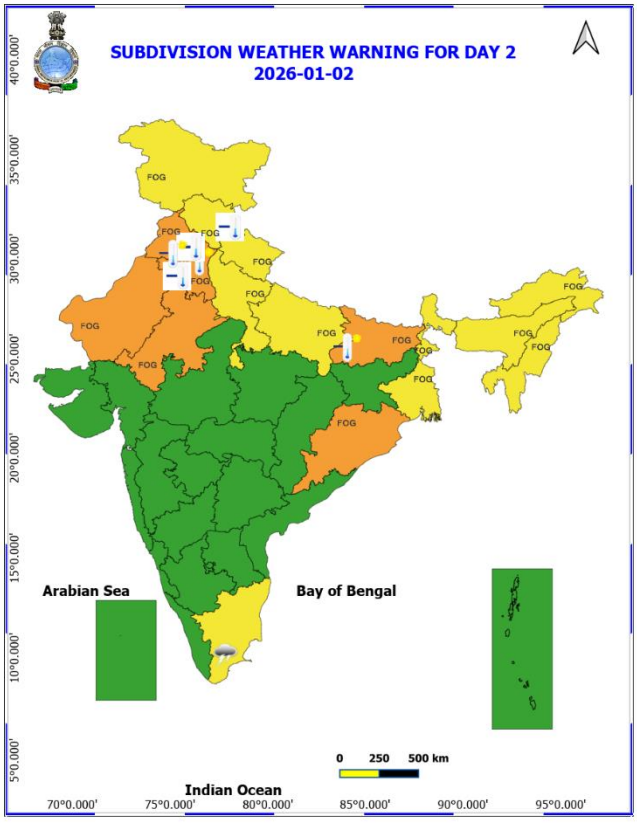
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2026-01-02
FOG
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km
40°0.000'
35°0.000'
30°0.000'
25°0.000'
20°0.000'
15°0.000'
10°0.000'
5°0.000'
70°0.000'
75°0.000'
80°0.000'
85°0.000'
90°0.000'
95°0.000'

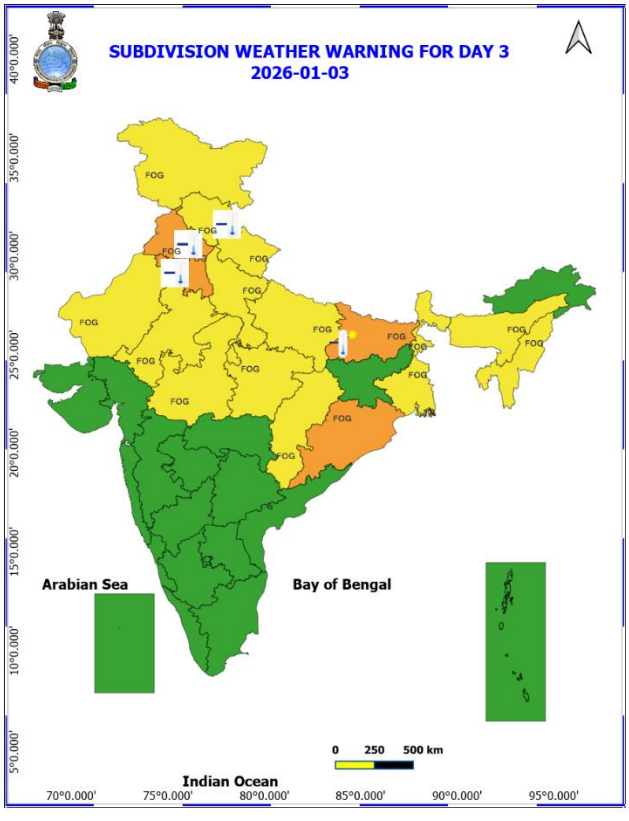
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2026-01-03
FOG
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km
40°0.000'
35°0.000'
30°0.000'
25°0.000'
20°0.000'
15°0.000'
10°0.000'
5°0.000'
70°0.000'
75°0.000'
80°0.000'
85°0.000'
90°0.000'
95°0.000'

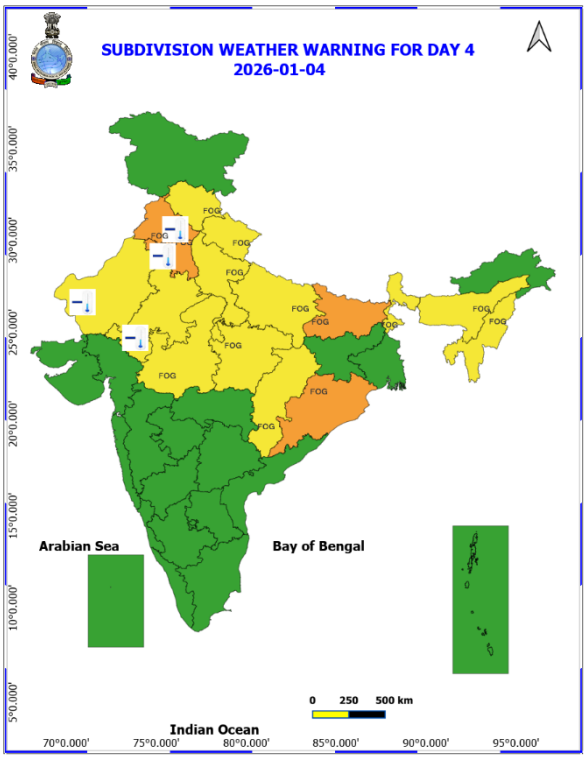

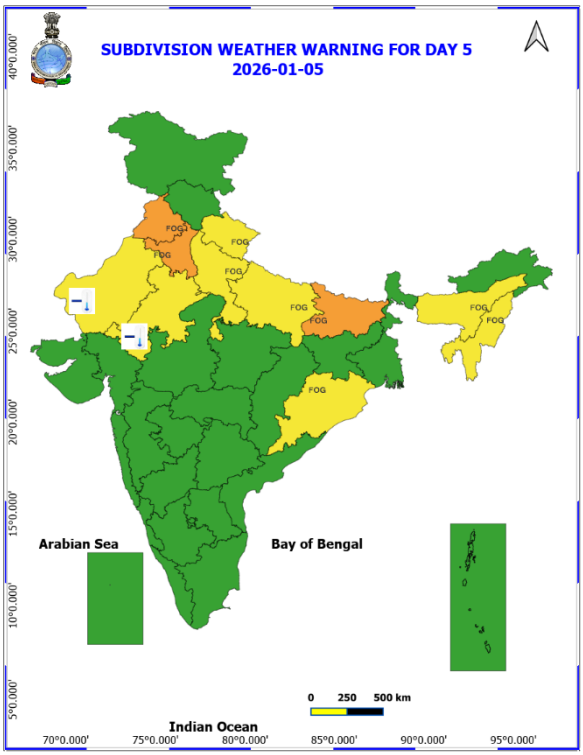

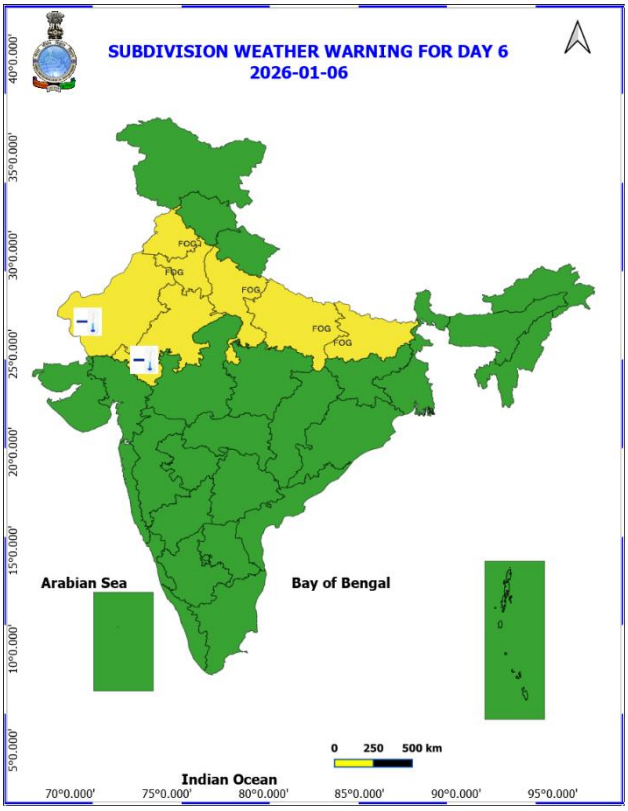

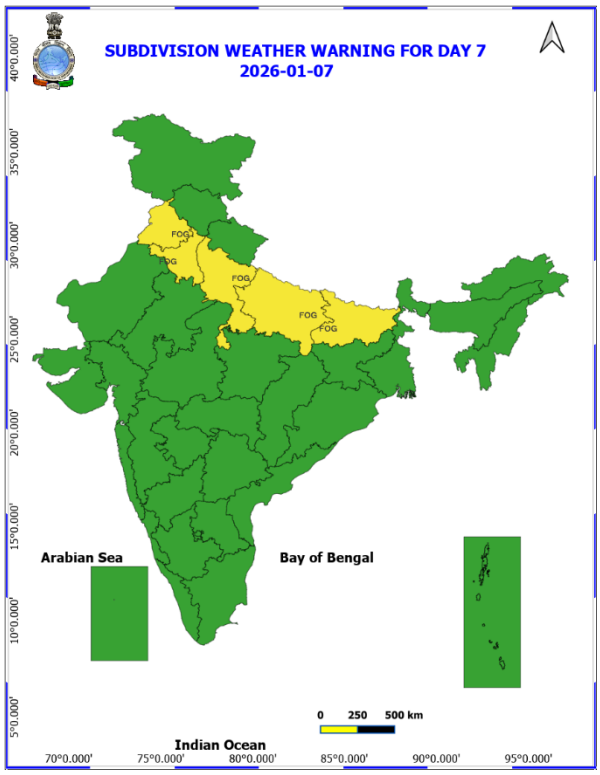

- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक III

01 से 04 जनवरी 2026 के दौरान दिल्ली/NCR का मौसम पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में न्यूनतम तापमान में 2-4°C की बढ़ोतरी हुई और अधिकतम तापमान में 4-8°C की गिरावट आई। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 13 से 14°C और 09 से 11°C के आसपास रहा। दिल्ली में कई जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी ऊपर (3.1 से 5.0°C) और कुछ जगहों पर सामान्य से ऊपर (1.6 से 3.0°C) रहा। दिल्ली में ज़्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी नीचे (-5.1 या उससे कम) रहा। सफदरजंग में 31.12.2025 की 2230 IST से 0830 IST तक हल्की धुंध में सबसे कम विज़िबिलिटी 500m दर्ज की गई, जो उसके बाद आज 01.01.2025 को 0900 IST पर 600m हो गई। पालम में 31.12.2025 की 2130 IST से 0800 IST तक हल्की धुंध में सबसे कम विज़िबिलिटी 500m दर्ज की गई, जो उसके बाद आज, 01.01.2026 को 0830 IST पर 600m हो गई। 01.01.2026 की सुबह दिल्ली में कुछ जगहों पर बहुत हल्की बारिश/बूंदाबांदी हुई। पिछले 24 घंटों के दौरान आसमान आंशिक रूप से साफ रहा और सतह पर हवा पूर्वी दिशा से 16 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली। आज सुबह क्षेत्र में आमतौर पर बादल छाए रहे, कुछ जगहों पर बहुत हल्की बारिश की संभावना थी और हवा दक्षिण-पूर्वी दिशा से 10 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली।

मौसम पूर्वानुमान:

01.01.2026: आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। कुछ जगहों पर ठंडा दिन रहेगा। रात में मध्यम कोहरा रहेगा। अधिकतम तापमान 15 से 17°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान सामान्य से नीचे (-3.3 से -5.3°C) रहेगा। दोपहर के समय सतह पर मुख्य हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से 10 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने की संभावना है। शाम और रात के दौरान हवा की गति कम होकर उत्तर-पूर्व दिशा से 05 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी।

02.01.2026: आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। सुबह के समय कई जगहों पर हल्का कोहरा और कुछ जगहों पर घना कोहरा रहेगा। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 16 से 18°C और 08 से 10°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक (2.1 से 4.1°C) और अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-1.3 से -3.3°C) रहेगा। सुबह के समय सतह पर मुख्य हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से शांत हवा के साथ 05 किमी प्रति घंटे तक पहुंचने की संभावना है। दोपहर में हवा की गति बढ़कर उत्तर-पश्चिम दिशा से 10 किमी प्रति घंटे तक हो जाएगी। शाम और रात के दौरान हवा की गति कम होकर उत्तर-पश्चिम दिशा से 06 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी।

03.01.2026: आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा। सुबह के समय कई जगहों पर हल्का कोहरा और कुछ जगहों पर घना कोहरा रहेगा। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 16 से 18°C और 06 से 08°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक (0.1 से 2.1°C) और अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-1.3 से -3.3°C) रहेगा। सुबह के समय सतह पर मुख्य हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से 10 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने की संभावना है। दोपहर में हवा की गति उत्तर-पश्चिम दिशा से 15 किमी प्रति घंटे तक रहने की संभावना है। शाम और रात के दौरान हवा की गति कम होकर उत्तर-पश्चिम दिशा से 06 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी।

04.01.2026: आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा। सुबह के समय हल्का कोहरा रहेगा। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 17°C से 19°C और 06°C से 08°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में न्यूनतम तापमान सामान्य के आसपास रहेगा और अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-0.3 से -2.3°C) रहेगा। सुबह के समय हवा मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से चलेगी और हवा की गति 08 kmph तक रहने की संभावना है। दोपहर में हवा की गति बढ़कर 16 kmph हो जाएगी और यह उत्तर-पश्चिम दिशा से चलेगी। शाम और रात में हवा की गति 05 kmph से कम रहेगी और यह पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा से चलेगी।

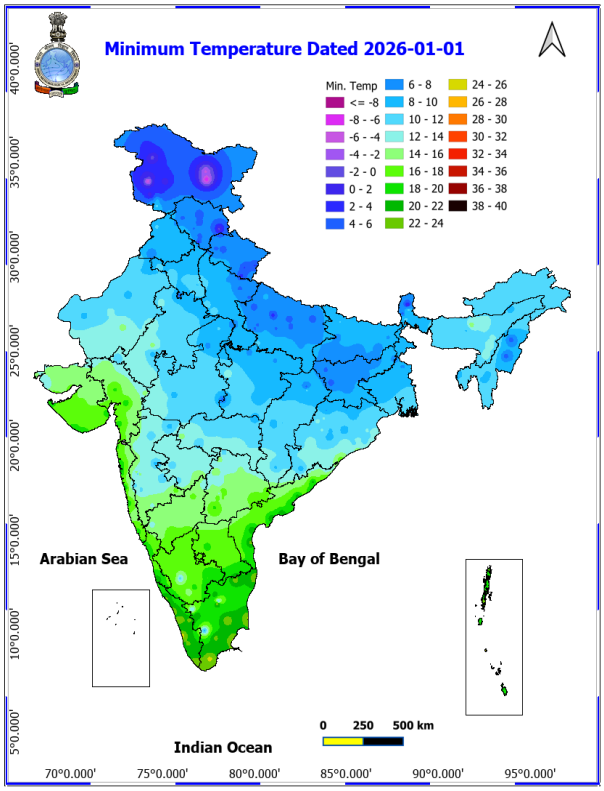

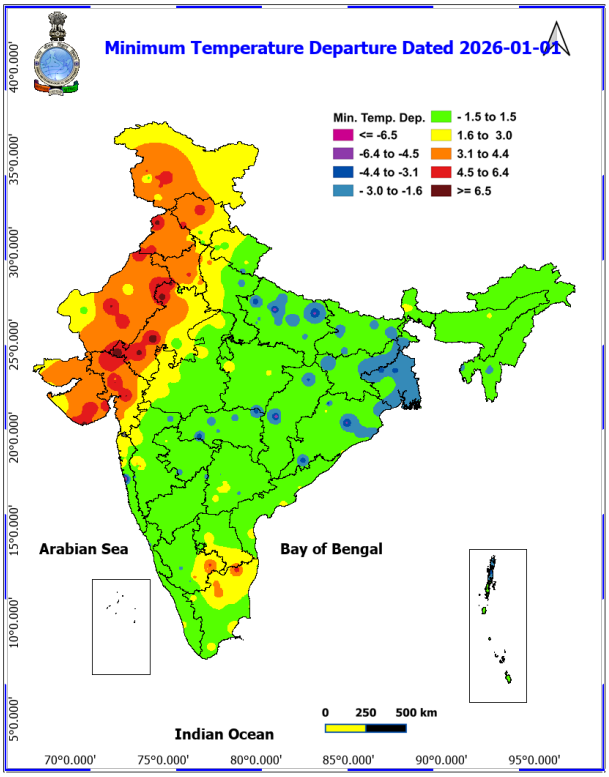

रात/सुबह के समय घने/बहुत घने कोहरे के कारण प्रभाव पड़ने की आशंका है:

- ❖ पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में 6 तारीख तक, ओडिशा में 5 तारीख तक, बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश में 2 जनवरी तक और राजस्थान के कुछ इलाकों में 3 जनवरी 2026 तक रात/सुबह के घंटों में कई/कुछ जगहों पर घना से बहुत घना कोहरा छाए रहने की बहुत ज़्यादा संभावना है।
- ❖ जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में 4 तारीख तक, हिमाचल प्रदेश में 2-5 तारीख के दौरान, उत्तराखंड में 5 तारीख तक, पंजाब और हरियाणा चंडीगढ़ और दिल्ली में 7-8 तारीख के दौरान, बिहार और उत्तर प्रदेश में 8 तारीख तक, राजस्थान में 4 तारीख को, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में 3 तारीख के दौरान, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 2-5 तारीख के दौरान, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में 4 तारीख तक, झारखंड में 1 और 2 तारीख को, ओडिशा में 6 तारीख को, अरुणाचल प्रदेश में 3 तारीख तक और असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 6 जनवरी 2026 तक रात/सुबह के घंटों में कुछ इलाकों में घना कोहरा छाए रहने की भी संभावना है।

❖ परिवहन और विमानन:

- मौसम उप-विभाग के अंतर्गत आने वाले कुछ हवाई अड्डों, राजमार्गों और रेलवे मार्गों पर इसका प्रभाव पड़ सकता है।
- यातायात कठिन हो सकता है और यात्रा में अधिक समय लग सकता है।
- एहतियाती उपाय न अपनाने पर सड़क दुर्घटनाएं हो सकती हैं।

❖ बिजली क्षेत्र:

- बहुत घने कोहरे वाले मार्गों में बिजली लाइनों के ट्रिप होने की संभावना।

❖ मानव स्वास्थ्य:

• फेफड़ों से संबंधित स्वास्थ्य प्रभाव: घने कोहरे में कणिका तत्व और अन्य प्रदूषक होते हैं और इनके संपर्क में आने पर ये फेफड़ों में जमा हो जाते हैं, उन्हें अवरुद्ध कर देते हैं और उनकी कार्यात्मक क्षमता को कम कर देते हैं जिससे घरघराहट, खांसी और सांस लेने में तकलीफ बढ़ जाती है।

• अस्थमा, ब्रोंकाइटिस से पीड़ित लोगों पर प्रभाव: लंबे समय तक घने कोहरे के संपर्क में रहने से अस्थमा, ब्रोंकाइटिस और फेफड़ों से संबंधित अन्य स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित लोगों को सांस लेने में समस्या हो सकती है।

• आँखों में जलन: घने कोहरे में विभिन्न प्रकार के प्रदूषण होते हैं और हवा में मौजूद ये प्रदूषक आँखों की झिल्लियों में जलन पैदा कर सकते हैं जिससे विभिन्न संक्रमण हो सकते हैं जिससे आँखों में लालिमा या सूजन आ सकती है।

सुझाई गई कार्रवाई:

❖ परिवहन और विमानन:

- वाहन चलाते समय या किसी भी परिवहन से यात्रा करते समय सावधान रहें।
- वाहन चलाते समय फॉग लाइट का प्रयोग करें।
- अपनी यात्रा के कार्यक्रम के लिए एयरलाइन, रेलवे और राज्य परिवहन से संपर्क में रहें।

❖ विद्युत क्षेत्र:

- रखरखाव टीम को तैयार रखना।
- मानव स्वास्थ्य: आपातकालीन स्थिति को छोड़कर बाहर जाने से बचना और चेहरा ढकना चाहिए।

शीत लहर की परिस्थितियों के कारण संभावित प्रभाव: हिमाचल प्रदेश में 1 से 4 जनवरी तक; पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में 2 से 5 जनवरी तक; और राजस्थान में 4 से 7 जनवरी 2026 तक बहुत ज़्यादा संभावना है।

- लंबे समय तक ठंड के संपर्क में रहने से फ्लू, नाक बहना/बंद होना या नाक से खून आना जैसी कई बीमारियों की संभावना बढ़ जाती है।
- कंपकंपी को नज़रअंदाज़ न करें। यह पहला संकेत है कि शरीर से गर्मी निकल रही है। घर के अंदर चले जाएं।
- लंबे समय तक ठंड के संपर्क में रहने से फ्रॉस्टबाइट हो सकता है। त्वचा पीली, सख्त और सुन्न हो जाती है और अंततः उंगलियों, पैर की उंगलियों, नाक और कान के निचले हिस्से जैसे खुले शरीर के अंगों पर काले छाले दिखाई देने लगते हैं। गंभीर फ्रॉस्टबाइट के लिए तत्काल चिकित्सा सहायता और उपचार की आवश्यकता होती है।
- कुछ स्थानों पर कृषि, फसल, पशुधन, जल आपूर्ति, परिवहन और बिजली क्षेत्र प्रभावित हो सकते हैं।

सुझावित उपाय:

- ❖ ढीले-ढाले, हल्के और गर्म ऊनी कपड़ों की कई परतें पहनें।
- ❖ अपने सिर, गर्दन, हाथों और पैरों को अच्छी तरह ढकें, क्योंकि शरीर के अधिकांश अंग इन्हीं से ऊष्मा खोते हैं। एक भारी कपड़े की परत के बजाय ढीले-ढाले, हल्के और गर्म ऊनी कपड़ों की कई परतें पहनें।
- ❖ पर्याप्त रोग प्रतिरोधक क्षमता बनाए रखने के लिए विटामिन-सी से भरपूर फल और सब्जियां खाएं और पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थ, अधिमानतः गर्म तरल पदार्थ पिएं।
- ❖ बाहरी गतिविधियों से बचें या उन्हें सीमित करें।
- ❖ शरीर को सूखा रखें; यदि गीला हो जाए, तो शरीर की ऊष्मा को कम होने से बचाने के लिए तुरंत कपड़े बदल लें। ऊष्मारोधी/जलरोधक जूते पहनें।
- ❖ शरीर के प्रभावित हिस्से को गुनगुने पानी से धीरे-धीरे गर्म करें; त्वचा को ज़ोर से न रगड़ें।
- ❖ यदि प्रभावित त्वचा का रंग काला पड़ जाए, तो तुरंत डॉक्टर से परामर्श लें।
- ❖ जहरीले धुएं को सांस में लेने से बचने के लिए हीटर का उपयोग करते समय वेंटिलेशन बनाए रखें।
- ❖ बिजली और गैस से चलने वाले हीटिंग उपकरणों का उपयोग करते समय सुरक्षा उपाय करें।
- ❖ संवेदनशील व्यक्तियों के लिए विशेष सावधानी आवश्यक है।
- ❖ ठंड से जमने/शीघ्रता से ग्रस्त व्यक्ति को यथाशीघ्र चिकित्सा सहायता लेनी चाहिए।
- ❖ पशुधन को ठंड से बचाएं।

शीत दिवस की परिस्थितियों के कारण संभावित प्रभाव: 1 तारीख को हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के कुछ इलाकों में, 1 और 2 तारीख को पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में, और 1 से 3 जनवरी 2026 के दौरान बिहार में शीत दिवस की स्थिति बनने की बहुत ज़्यादा संभावना है।

लंबे समय तक शीत दिवस के संपर्क में रहने से फ्लू, नाक बहना/बंद होना या नाक से खून आना जैसी कई बीमारियों की संभावना बढ़ जाती है।

- कंपकंपी को नज़रअंदाज़ न करें। यह पहला संकेत है कि शरीर से गर्मी निकल रही है। घर के अंदर चले जाएं।
- लंबे समय तक ठंड के संपर्क में रहने से फ्रॉस्टबाइट हो सकता है। त्वचा पीली, सख्त और सुन्न हो जाती है और अंततः उंगलियों, पैर की उंगलियों, नाक और कान के निचले हिस्से जैसे खुले शरीर के अंगों पर काले छाले दिखाई देने लगते हैं। गंभीर फ्रॉस्टबाइट के लिए तत्काल चिकित्सा सहायता और उपचार की आवश्यकता होती है।
- कुछ स्थानों पर कृषि, फसल, पशुधन, जल आपूर्ति, परिवहन और बिजली क्षेत्र प्रभावित हो सकते हैं।

सुझावित उपाय:

- ढीले-ढाले, हल्के और गर्म ऊनी कपड़ों की कई परतें पहनें।
- अपने सिर, गर्दन, हाथों और पैरों को अच्छी तरह ढकें, क्योंकि शरीर के अधिकांश अंग इन्हीं से ऊष्मा खोते हैं। एक भारी कपड़े की परत के बजाय ढीले-ढाले, हल्के और गर्म ऊनी कपड़ों की कई परतें पहनें।
- पर्याप्त रोग प्रतिरोधक क्षमता बनाए रखने के लिए विटामिन-सी से भरपूर फल और सब्जियां खाएं और पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थ, अधिमानतः गर्म तरल पदार्थ पिएं।
- बाहरी गतिविधियों से बचें या उन्हें सीमित करें।
- शरीर को सूखा रखें; यदि गीला हो जाए, तो शरीर की ऊष्मा को कम होने से बचाने के लिए तुरंत कपड़े बदल लें। ऊष्मारोधी/जलरोधक जूते पहनें।
- शरीर के प्रभावित हिस्से को गुनगुने पानी से धीरे-धीरे गर्म करें; त्वचा को ज़ोर से न रगड़ें।
- यदि प्रभावित त्वचा का रंग काला पड़ जाए, तो तुरंत डॉक्टर से परामर्श लें।
- जहरीले धुएं को सांस में लेने से बचने के लिए हीटर का उपयोग करते समय वेंटिलेशन बनाए रखें।
- बिजली और गैस से चलने वाले हीटिंग उपकरणों का उपयोग करते समय सुरक्षा उपाय करें।
- संवेदनशील व्यक्तियों के लिए विशेष सावधानी आवश्यक है।
- ठंड से जमने/शीघ्रता से ग्रस्त व्यक्ति को यथाशीघ्र चिकित्सा सहायता लेनी चाहिए।
- पशुधन को ठंड से बचाएं।

ठंडी लहरों / कम तापमान के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

हिमाचल प्रदेश, पंजाब और हरियाणा में, फसलों को कम तापमान के तनाव से बचाने के लिए शाम को खड़ी फसलों में हल्की और बार-बार सिंचाई करें। मिट्टी का सही तापमान बनाए रखने के लिए मल्चिंग का इस्तेमाल करें और सब्जियों की नर्सरी और छोटे फलों के पौधों को पुआल/पॉलिथीन शीट से ढक दें।

पशुधन / मुर्गी पालन

- मवेशियों को रात में शेड के अंदर रखें और उन्हें ठंड से बचाने के लिए सूखी बिस्तर दें।
- मुर्गियों के शेड में आर्टिफिशियल लाइट लगाकर चूजों को गर्म रखें।

आंधी/तेज हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए एग्रोमेट सलाह

- तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए बागवानी फसलों को मैकेनिकल सपोर्ट दें और सब्जियों और छोटे फलों के पौधों/फल देने वाले पौधों को सहारा दें।

किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:

- **भारी वर्षा:** 64.5-115.5 मिमी; **बहुत भारी वर्षा:** 115.6-204.4 मिमी; **अत्यधिक भारी वर्षा: >**204.4 मिमी।

मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- **उत्तर-पश्चिम भारत:** पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- **मध्य भारत:** पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- **पूर्वी भारत:** बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- **पूर्वोत्तर भारत:** अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- **पश्चिम भारत:** गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- **दक्षिण भारत:** तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

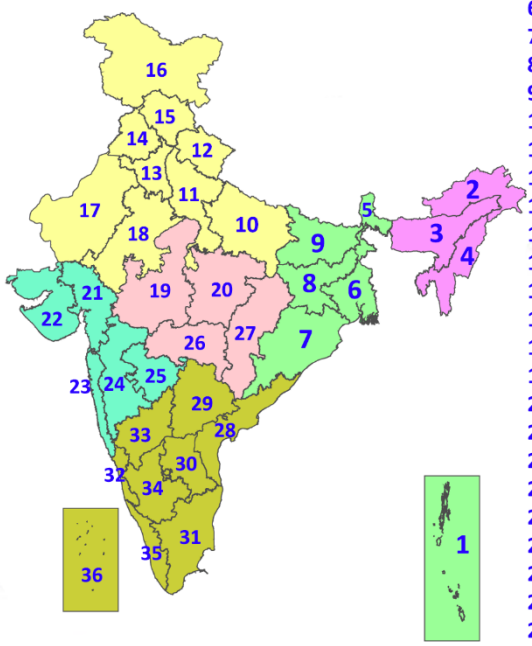

1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

Fog
Heavy Rain
Very Heavy Rain
Extremely Heavy Rain
Thunder & Lightning
Hailstorm
Dust Raising Winds

Heavy Snow
Dust Storm
Heat Wave
Warm Night
Hot Day
Hot & Humid
Strong Surface Winds

Cold Wave
Cold Day
Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)